सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 55 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 29 मार्च, 2025

कड़वाहट कैंसर की तरह है। ये कड़वाहट रखने वाले को खा जाती है। लेकिन क्रोध आग की तरह है। ये सब कुछ जला कर साफ कर देता है।

–माया एंजिलो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

अब आठ अप्रैल को होगा केकेआर... 7 | देश में कई समस्याएं, मुर्दे उखाड़नें... 3 | जुमलों की सरकार नौकरी देने... 2

नेपाल में लोकतंत्र फेल!

राजशाही की मांग को लेकर जल उठा नेपाल

» पूरे नेपाल में हिंसक झड़पें, प्रमुख इलाकों में कर्फ्यू

» बिजनेस मॉल, पालिटिक्ल पार्टी के दफ्तर और मीडिया हाउस की इमारतों को आग के हवाले किया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमाण्डू। भारत का पड़ोसी मुल्क नेपाल अशांत है। वहां पुलिस और प्रर्दशनकारियों के बीच ठीक वैसे ही हिंसक झड़पों का दौर शुरू हो गया है जैसा कभी राजशाही से मुक्ति के लिए होता था। इस बार की हिंसा दोबारा से राजशाही को स्थापित करने के लिए कि जा रही है।

नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें लिए हजारों राजतंत्रवादी तिनकुने क्षेत्र में इक्ट्ठा हुए। उन्होंने 'राजा आओ, देश बचाओ', 'भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद' और 'हमें राजतंत्र वापस चाहिए' जैसे नारे लगाए और नेपाल में राजतंत्र की बहाली की मांग कर रहे हैं। यह आग धीरे—धीरे पूरे नेपाल में तेजी से फैल रही है।

2008 में खत्म हो गयी थी राजशाही

काठमांडू में सैकड़ों पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है, और प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए कई युवाओं को हिरासत में लिया गया है। नेपाल ने 2008 में संसदीय घोषणा के जरिए 240 साल पुरानी राजशाही को खत्म कर दिया था। इससे देश राज्य एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल गया। 19 फरवरी को लोकतंत्र दिवस पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र की ओर से जनता से समर्थन की अपील के बाद राजशाही की बहाली की मांग फिर से उठने लगी।

हिंसक झड़पों का दौर

काठमांडू में नेपाली सुरक्षा बलों और राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं। हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिससे शहर में अफरा-तफरी मच गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं, जिसके बाद कई घरों, अन्य इमारतों और वाहनों में आग लगा दी गई। हालात बिगड़ते देख कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, स्थिति तब बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने निर्धारित सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की और पुलिस पर पत्थर फेंके। जवाब में, सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक व्यापारिक परिसर, एक शॉपिंग मॉल, एक राजनीतिक पार्टी मुख्यालय और एक मीडिया हाउस की इमारत में आग लगा दी, जिसमें एक दर्जन से ज़्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए।

राजा लाओ देश बचाओ

इस महीने की शुरुआत में जब ज्ञानेंद्र देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों का दौरा करने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे, तो कई राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं ने उनके समर्थन में एक रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों को 'राजा वापस आओ, देश बचाओ', 'हमें राजशाही चाहिए', और 'राजा के लिए शाही महल खाली करो' जैसे नारे लगाते हुए सुना गया। राजनीतिक जानकारों का मानना ??है कि नेपाल में राजशाही के पक्ष में इस भावना के पीछे एक प्रमुख कारण व्यापक भ्रष्टाचार और आर्थिक गिरावट से जनता की हताशा है। इसकी एक वजह शासन की स्थिरिता भी है। राजा को कभी शक्ति और स्थिरता के प्रतीक के रूप में देखा जाता था, नेपाल ने 2008 में गणतंत्र में परिवर्तन के बाद से उस स्थिरता को बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है। पिछले 16 वर्षों में, देश ने 13 अलग–अलग सरकारें देखी हैं।

सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को 'सुप्रीम' राहत

» सुप्रीम कोर्ट की जजों को नसीहत

» अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए भले ही उन्हें विचार पसंद न आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के केस मामले में आज सुनवाई करते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। साथ ही जजों को नसीहत देते हुए टिप्पणी में कहा है कि जजो को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए। भले ही उनहें विचार पंसद न हो। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद एक बार फिर इस दिशा ने नई बहस को जन्म दे दिया है।

क्योंकि ज्यादातर मामलों में आरोपी पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। ताजा मामला स्टैंडअप कमेडियन कुणाल कामरा का चल रहा है। वह इस प्रकरण को अभिव्यक्ति की आजादी बता रहे हैं जबकि महाराष्ट्र सरकार इसे इस दायरे से आगे की बात कह रही है। खुद सीएम फडणवीस ने आगे आकर बयान जारी किया है। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद कुणाल को राहत मिलने की उम्मीद है।

रदद कर दी एफआईआर

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज करने के निर्णय पर सवाल उठाए थे। जस्टिस ओका ने पुलिस की संवेदनहीनता पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि कविता का संदेश अहिंसा का था और पुलिस को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व को समझना चाहिए। प्रतापगढ़ी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट के दृष्टिकोण की आलोचना करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 3 मार्च को इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा था और अब उसने एफआईआर को रद्द कर दिया है।

अधिकार की रक्षा करें

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर रद्द करते हुए उक्त टिप्पणी की है। जस्टिस एएस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने प्रतापगढ़ी की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में कोई अपराध नहीं बनता। अदालत ने अपने फैसले में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों की रक्षा के महत्व पर जोर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(1) के तहत प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिकों का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है और इसे बनाए रखना आवश्यक है। न्यायालयों का दायित्व है कि वे इस अधिकार की रक्षा करें, भले ही उन्हें व्यक्त किए गए विचारों से व्यक्तिगत रूप से असहमति हो। गौरतलब है कि यह एफआईआर प्रतापगढ़ी के एक इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दर्ज की गई थी, जिसमें एक कविता की पृष्ठभूमि में एक वीडियो क्लिप थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार को समझना चाहिए और इस प्रकार के मामलों में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए।

जुमलों की सरकार नौकरी देने में असफल : अखिलेश

» पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा सवाल कहां गयी दो करोड़ नौकरियां

» सिर्फ जुमलों में उलझा रखा है प्रदेश की जनता को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा युवाओं को धोखा दे रही है। उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। नौजवानों को नौकरी-रोजगार देने में भाजपा पूरी तरह से असफल साबित हुई है। आंकड़े बताते हैं कि भाजपा शासित राज्यों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। भाजपा ने नौजवानों को हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, जो जुमला साबित हुआ है। इसलिए भाजपा अब आकांक्षी युवाओं का नाम देकर बेरोज़गारों को धोखा देने का षड्यंत्र कर रही हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो ये है कि 'आकांक्षी युवाओं' की एक ही आकांक्षा है कि भाजपा को कैसे जल्दी से जल्दी हटाएं क्योंकि वे जान गये हैं कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं नौकरी ख़त्म करने के बहाने दरअसल वे आरक्षण ख़त्म करना चाहते हैं। भाजपा भेदभाव करती है, समाज में नफरत फैलाती है। भाजपा सरकार में सेना में युवाओं की फौज की नौकरी को नाम बदलकर अग्निवीर कर दिया। युवाओं की सेवा अविध को आधी-अधूरी

अग्निवीर योजना ने निराश किया

यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना ने युवाओं को निराशा के सिवा कुछ नहीं दिया है। जिस गाँव से कभी हज़ारों लोग सैनिक बनके निकलें हैं, वहाँ आज पुलिस भर्ती तक के लिए कोई उत्साह नहीं रह गया है। ऐसे हालातों में सिर्फ़ प्रदेश की क़ानून-व्यवस्था ही नहीं, देश की सुरक्षा के लिए भी भविष्य में संकट खड़ा हो सकता है।

कहीं पुलिस को भी निजी ठेके पर न दे दे सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसा लगता है कि भाजपा का बस चले तो वे पुलिस और सैन्य व्यवस्था को भी निजी हाथों में ठेके पर दे दे। आरक्षण को ख़त्म करने के लिए भाजपाई कुछ भी कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे नौजवान गांव-गांव में बेरोजगारी के शिकार हैं। प्रदेश में बेरोजगारी रिकॉर्ड तोड़ गई है। भाजपा सरकार नौकरियों को खत्म कर ठेके पर दे रही है। यादव ने कहा कि 8 साल से भाजपा सरकार नौजवानों को ठगने का काम कर रही है। आरक्षण देना पड़े इसलिए संविदा और आउटसोर्स भर्ती की जाने लगी है। नौकरी न देकर भाजपा झूठ पर झूठ बोल रही है। युवा कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा।

रामजीलाल सुमन की सुरक्षा करे सरकार : धर्मेन्द्र यादव

» कहा- करणी सेना ने हमला किया तो उस समय सीएम योगी आगरा में मौजद थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राणा सांगा पर बयान जारी का चर्चा का केन्द्र बिंदू बने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन की सुरक्षा को लेकर पार्टी चिंतित हैं। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने सुमन को सुरक्षा देने की मांग की है रामजीलाल सुमन ने मौजूदा संसद सत्र के दौरान राणा सांगा को लेकर एक विवादित बयान दिया था, जिस पर भाजपा सांसदों ने नाराजगी जताई थी। वहीं, करणी सेना ने सपा सांसद से माफी की मांग की है। राणा सांगा पर सपा सांसद का बयान और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समर्थन का मामला तूल पकड़ चुका है।

धर्मेंद्र यादव ने कहा रामजीलाल सुमन को सुरक्षा मिलनी चाहिए। कुछ असामाजिक लोगों ने चुनौती देकर उनके घर पर हमला बोला है। दुर्भाग्य की बात है कि जिस वक्त हमला हुआ, उस वक्त खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा में मौजूद थे। उनकी मौजूदगी में और चुनौती देकर हमला हुआ। यह कोई आकस्मिक हमला नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित था। इसके बाद हमलावरों को पूरी तरह से छोड़ दिया गया और उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दलित, मुसलमान और पिछड़ों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की नीयत क्या है उन्होंने कहा, हमने लोकसभा में रामजीलाल सुमन के मामले को उठाने की कोशिश की, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई और हमारी बातों को बीच में रोक दिया गया। सरकार प्रदेश में भय का माहौल बनाना चाहती है, उनके कुछ राजनीतिक एजेंडे हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की आगामी साइकिल यात्रा पर धर्मेंद्र यादव ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि अखिलेश यादव एक बार फिर प्रदेश में साइकिल यात्रा पर निकलेंगे।

सैफ अली खान के हमलावर ने की जमानत की अपील

» खुद को बताया निर्दोश कहा केस फर्जी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सैफ अली खान पर उनके घर में हुए हमले के आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद ने जमानत के लिए याचिका दायर की है। शहजाद ने दावा किया है कि वह निर्दोष है और उसके खिलाफ मामला फर्जी है। सैफ अली खान पर इस साल 16 जनवरी को उनके ही घर में हमला हुआ था।

उस आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था, जिसने एक्टर को काफी चोट पहुंचाई थी। उन्हें लहूलुहान कर दिया था। उसका नाम शरीफुल इस्लाम शहजाद है, जिसने अब मुंबई के सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। उसने दावा किया है कि उसने कोई अपराध नहीं किया है। ये केस फर्जी है। सैफ अली खान पर उनके बांद्रा वाले घर में चोरी करने की कोशिश के दौरान हमला करने के आरोप में शहजाद को गिरफ्तार किया गया था। अब महीने-डेढ़ महीने बाद आरोपी ने जमानत के लिए याचिका दायर की।

अपने वकील अजय गवली के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया है कि उसने कोई जुर्म नहीं किया है और उसके खिलाफ ये केस झूठा है। याचिका में ये भी कहा गया है कि शहजाद ने जांच में पूरा सहयोग किया है और एफआईआर पूरी तरह से फेक है। उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। वकील ने ये भी कहा कि कॉल रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज जैसे जरूरी सबूत पहले ही प्रॉसीक्यूशन ने ले लिए थे। ऐसे में सबूतों से कोई छेड़छाड़ या फिर गवाह को बरगलाने का भी डर नहीं है।

बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है सुनवाई

शहजाद पर सैफ और उनकी स्टाफ गीता पर लकड़ी के हथियार और हेक्सा ब्लेड से हमला करने का आरोप है। एक्टर को गंभीर चोट आई थी. उनकी पीठ में चाकू का एक हिस्सा फंस गया था, जिस कारण सर्जरी हुई थी। और वह 5 दिन अस्पताल में भर्ती थे। इस समय इसकी सुनवाई बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है। पुलिस को अभी इस केस की चार्जशीट फाइल करनी है। और जल्द ही कोर्ट जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा।

सालेम के बाजार में खूब बिकी भेड़ें

100 साल से भी ज्यादा पुराना है तमिलनाडु के बड़े मवेशी बाजारों में यह बाजार, व्यापारी गदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सालेम। तमिलनाडु के सलेम जिले में वीरगनूर मवेशी बाजार में रमजान के त्योहार से पहले खूब रौनक रही। यहां 2,000 से ज्यादा भेड़ें बिकीं और कुल कारोबार 2 करोड़ रुपये से अधिक हुआ। यह बाजार 100 साल से भी ज्यादा पुराना है और तमिलनाडु के सबसे बड़े मवेशी बाजारों में से एक है। रमजान के मौके पर भेड़ों की बिक्री से व्यापारियों और पशुपालकों के चेहरे पर खुशी छा गई।

बाजार में सेमराई, थलैसेरी और नट्टिनाडु जैसी कई नस्लों की भेड़ें बिक्री के लिए लाई गईं। इनकी कीमत 3,500 रुपये से लेकर 25,000 रुपये प्रति भेड़ तक रही। अलग-अलग कीमतों की वजह से हर तरह के खरीदारों ने यहां से खरीदारी की रमजान से पहले भेड़ों की डिमांड बढ़ने के कारण बाजार में भीड़ रही और कारोबार उम्मीद से भी ज्यादा हुआ।

वीरगनूर मवेशी बाजार भेड़ व्यापार का बड़ा केंद्र है। यहां सलेम के अलावा नमक्कल, इरोड, कल्लकुरिची, विल्लुपुरम, तिरुचि, मदुरै, थेनी और रामनाथपुरम जैसे कई जिलों से खरीदार और विक्रेता पहुंचे। बाजार में सुबह से ही चहल-पहल शुरू हो गई थी। पशुपालक अपनी भेड़ें लेकर आए, जबकि खरीदार रमजान के लिए तैयारियाँ करने बाजार पहुंचे। इस मौके पर बाजार में सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त का जोरदार माहौल देखने को मिला।

2 करोड़ से ज्यादा का हुआ कारोबार

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि वीरगनूर बाजार की खासियत इसकी पुरानी परंपरा और भरोसा है। यहां हर साल रमजान से पहले भेड़ों की बिक्री बढ़ती है। इस बार भी बाजार ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया। पशुपालकों ने बताया कि अच्छी कीमत मिलने से उनकी मेहनत सफल हुई, वहीं खरीदार भी अपनी पसंद की भेड़ें ले जाकर खुश नजर आए। बाजार में व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन भी सक्रिय रहा। भी? को देखते हुए ट्रैफिक और सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। यह आयोजन न सिर्फ व्यापार के लिए, बल्कि इलाके की अर्थव्यवस्था के लिए भी अहम रहा। रमजान से पहले हुई इस बिक्री ने वीरगनूर मवेशी बाजार की अहमियत को एक बार फिर साबित कर दिया।

एक्शन में डिप्टी सीएम, बाराबंकी के डिप्टी सीएमओ निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। डायग्नोस्टिक सेंटर को प्रमाण पत्र जारी करने के नाम पर पैसा मांगने के मामले में डिप्टी सीएम ने जिले में तैनात डिप्टी सीएमओ डॉ. राजीव दीक्षित को निलंबित कर दिया, जबकि पर्यवेक्षण न कर पाने को लेकर सीएमओ के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद जांच हुई थी। डिप्टी सीएम ने यह कार्रवाई एक्स पर साझा की है। जिले में तैनात डिप्टी सीएमओ डॉ. राजीव दीक्षित द्वारा शहर के एक डायग्नोस्टिक सेंटर को प्रमाण पत्र जारी करने के नाम पर पैसा मांगने का आरोप है। इसका एक वीडियो बनाया गया था, जो कई माह पुराना बताया जा रहा है। ढाई महीने पहले इसे लेकर तत्कालीन डीएम सत्येंद्र कुमार ने सीडीओ अ. सूदन व एसडीएम आनंद तिवारी की कमेटी गठित की जांच के आदेश दिए थे।

देश में कई समस्याएं, मुर्दे उखाड़नें से क्या होगा!

भाजपा की कुटिल सियासत देश में ला रही आफत

- विपक्ष को बीजेपी के चालों से होना होगा सतर्क
- बिहार व बंगाल चुनाव से पहले दांव-पेंच शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में समस्याओं की कमी नहीं है। पर उस पर कोई भी सियासी पार्टी गंभीरता से विचार करके भाजपा सरकार को घेरती नहीं है। भाजपा का तो पहला ही एजेंडा के जनमुद्दों से भटकाकर धर्म, मंदिर और इतिहास को जनता के बीच उठाकर उन्हे बरगलाया जाए और उससे चुनावी लाभ उठाया जाए। चूंकि 2025 व 26 में क्रमशः बिहार व बंगाल में विस चुनाव होने हैं ऐसे में भाजपा अपने वोट बैंक को नजर में रखकर इन मुद्दों को हवा देती है।

विपक्ष उसी बनाई बिसात पर चलने लगता है। विपक्ष अगर भाजपा की इन कुटिल चालों में फंसे बिना केवल विकास के मुद्दों पर जनता के बीच में जाए तो इसमें कोई शक नहीं कि उसे सियासी फायदा जरूर मिलेगा। बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते?

सपा सांसद पर भाजपा का वार

सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं।

हिंदुत्व के नाम पर महाराष्ट्र से लेकर मप्र तक पाखंड

एक तरफ तो भाजपा के नेता खुले आम मुस्लिमों को धमकाते हैं तो दूसरी सौगात ए मोदी कार्यक्रम के नाम पर उनको जोड़ने की कोशिश भी करत हैं। हालांकि सियासी हल्के में इसे भाजपा का पाखंड बताया जा रही है। जहां भाजपा ये सब कर रही है वहीं विपक्षी दल भी पीछे नहीं है मप्र में कांग्रेस के नेता साधु-संतों की तुलना साड़ से करके सियासी आग लगाने में पीछे नहीं है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा के सौगात-ए-मोदी कार्यक्रम की भी आलोचना की और इसे हिंदुत्व के प्रति उनके पाखंड का उदाहरण बताया। उद्धव ठाकरे ने भाजपा के सौगात-ए-मोदी कार्यक्रम का मज़ाक उड़ाते हुए इसे महज नौटंकी करार दिया। उन्होंने कहा कि जब मुसलमानों ने हमें बड़ी संख्या में वोट दिया, तो भाजपा की आंखें सदमे से सफेद हो गईं। अगर मुसलमान वोट देते हैं, तो वे इसे सत्ता जिहाद कहते हैं। ठाकरे ने कहा, लेकिन अब ईद के लिए उन्होंने सौगात-ए-मोदी अभियान शुरू किया है, जहां 32 लाख भाजपा कार्यकर्ता 32 लाख मुसलमानों के घर जाएंगे। यह सौगात-ए-मोदी नहीं है, यह सरासर बेशर्मी है। यह सौगात-ए-सत्ता (सत्ता के लिए उपहार) है। ये लोग नकली हिंदुत्व समर्थक हैं।卐 उन्होंने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा, जब उन्हें सुविधा होती है तो वे मुसलमानों को बलि का बकरा बनाते

हैं, लेकिन चुनाव के दौरान वे मिठाई बांटते हैं। देखिए कि कैसे ये दलबदलू अब अचानक टोपी पहन लेते हैं। मुझ पर हिंदुत्व छोड़ने का आरोप लगाने से पहले, पहले अपने झंडे से हरा रंग हटा लें। अब हिंदू महिलाओं के मंगलसूत्र की रक्षा कौन करेगा? क्या कोई सच्ची हिंदुत्व पार्टी बची भी है?मध्य प्रदेश कांग्रेस के विधायक द्वारा साधु संतों की तुलना सांड से करने पर सियासी जंग छिड़ गई है। जहां प्रदेश भर के साधु संत इसका विरोध कर रहे हैं, वहीं भाजपा के नेता कांग्रेस को लगातार घेर रहे हैं। बवाल मचने के बाद विधायक डॉ राजेंद्र सिंह ने अपने बयान पर सफाई दी है। सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने हमला बोलते हुए कांग्रेस नेतृत्व से विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि प्रदेश के पूर्व मंत्री व अमरपाटन से कांग्रेस विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने साधु-संतों को लेकर विवादित बयान दिया था। सतना में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने साधु-संतों और महामंडलेश्वरों सांड बताया था। राजेंद्र कुमार ने कहा था कि संयोग ऐसा कि राम मंदिर आ गया, उधर महाकुंभ आ गया। कितना प्रचार हुआ, मैंने तो गणित लगाया, 10-12 करोड़ से ज्यादा लोग नहीं गए। उन्होंने आगे कहा था कि मैं विज्ञान का विद्यार्थी रहा हूं, इंजीनियर हूं। 60 करोड़ लोग, वाट्सएप्प यूनिवर्सिटी ने लोगों के दिमाग में भर दिया। फिर इन्होंने साधु-संत, संन्यासी, बाबा बैरागी और महामंडलेश्वरों को छोड़ दिया जनता के बीच, जाओ हिंदुत्व की बात करो, भाजपा का प्रचार करो, सनातन की बात करो और ये सांड, चर रहे हैं दूसरों का खेत।

फिल्मों से भी हुए कई विवाद

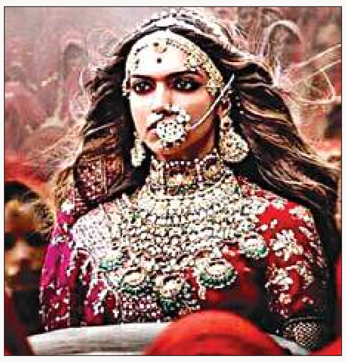

बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौड़गढ़ के किले में स्थित पद्मावती महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र पर टूटा सब्र

यह विवाद पूरी तरह थमा भी नहीं कि महाराष्ट्र औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद पैदा हो गया। इस पर भाजपा और विपक्षी दलों ने आरोप-प्रत्यारोप लगा कर देश का माहौल गर्माने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि नागपुर में हिंसा भड़क उठी। इसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। आम लोगों को कर्फ्यू के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे विवादों की चपेट में अक्सर देश का मजदूर, गरीब और कामकाजी वर्ग आता है। इन विवादों की जड़

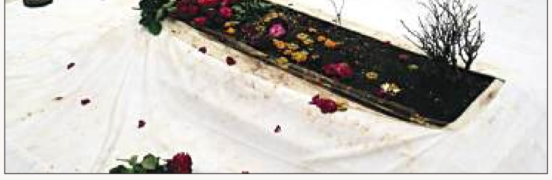

में आसान सत्ता की राजनीति की चाहत है। दरअसल नेताओं को पता है कि देश की बुनियादी समस्याओं का समाधान आसान नहीं है, जबकि ऐसे विवादों के जरिए लोगों को बरगला लाकर सत्ता आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

यूपी में ज्यादा हो रहा है बावल

गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक पूजा

स्थल अधिनियम की वैधता पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक देश में मंदिर-मस्जिद विवादों से जुड़े नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते, और न ही कोई चल रहा मामला सर्वेक्षण या अंतिम आदेश के साथ आगे बढ़ सकता है।

कर्नाटक में टीपू सुल्तान पर हो चुकी है किचकिच

कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट

मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महिलाओं पर अभद्र भाषा का प्रयोग न हो!

> **वर्ष 2023 में, तत्कालीन चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की तरफ से एक 'हैंडबुक' जारी की थी, जिसमें विभिन्न अदालती प्रकरणों में महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले अपमानजनक संबोधनों का जिक्र करते हुए इनसे बचने को कहा गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि 'अपराधी, चाहे वह पुरुष हो या महिला, केवल मनुष्य है, इसलिए हम महिलाओं के लिए व्यभिचारी, वेश्या, बदचलन, धोखेबाज, आवारा जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते।'**

भारत की अदालतें समय-समय पर महिला हितों की रक्षा के लिए कदम उठाती रहती हैं। महिलाओं के प्रति भेदभाव वाली भाषा के इस्तेमाल को लेकर अदालत ने यह कहा है तलाकशुदा महिलाओं को उनके नाम से पहचाना जाना चाहिए, न कि उनकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर। अदालत ने एक फैसले में कहा है कि भविष्य में किसी याचिका या अपील में महिला को 'डाइवोर्सी' कहकर संबोधित किया गया तो वह याचिका खारिज कर दी जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब किसी अदालत ने महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण भाषा के इस्तेमाल पर चिंता जताई है। वर्ष 2023 में, तत्कालीन चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की तरफ से एक 'हैंडबुक' जारी की थी, जिसमें विभिन्न अदालती प्रकरणों में महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले अपमानजनक संबोधनों का जिक्र करते हुए इनसे बचने को कहा गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि 'अपराधी, चाहे वह पुरुष हो या महिला, केवल मनुष्य है, इसलिए हम महिलाओं के लिए व्यभिचारी, वेश्या, बदचलन, धोखेबाज, आवारा जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते।' समय-समय पर जारी अदालतों के निर्देशों के बावजूद एक चिंताजनक तथ्य यह भी है कि सरकारी कामकाज में ही लिंगभेद व अपमानजनक संबोधनों वाली भाषा का इस्तेमाल खूब हो रहा है।

बता दें महिलाओं के खिलाफ हिंसा की बात जब भी होती है, उन्हें मौखिक या लिखित रूप से संबोधित करने वाली भाषा की अनदेखी की जाती रही है। ये संबोधन ऐसे हैं जो स्वीकृत परिपाटी के जरिए पारम्परिक रूप से चले आ रहे हैं। लेकिन जब महिलाओं को इन शब्दों से संबोधित किया जाता है तो वे सिर पर किसी हथौड़े से कम नहीं पड़ते। ऐसे ही संबोधनों पर संज्ञान लेते हुए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने तलाकशुदा महिलाओं को 'डाइवोर्सी' कहकर संबोधित करने पर यह कहते हुए रोक लगा दी है कि किसी महिला को सिर्फ तलाकशुदा होने के आधार पर 'डाइवोर्सी' की पहचान देना सर्वथा अनुचित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जाति व धर्म से परे रहने की बातें तो जरूर होती हैं, लेकिन किसी भी महिला-पुरुष से पहचान के सरकारी दस्तावेज बनाने तक में जाति-धर्म की पहचान पर सवाल लंबे समय से हो रहे हैं। सरकारों व अदालतों ने जिस शब्दावली की मनाही की है, उनकी भी पालना हो रही है अथवा नहीं, इसे देखने तक की व्यवस्था नहीं है। सच तो यही है कि महिला हो अथवा पुरुष, उसकी पहचान व्यक्तित्व व उपलब्धियों से होनी चाहिए न कि उसकी वैवाहिक स्थिति से। कोर्ट का यह फैसला महिलाओं के प्रति समाज के नजरिए को बदलने की दिशा में अहम कदम कहा जाएगा, जिससे अदालती प्रक्रियाओं में भी बदलाव आएगा। देखना ये भी होगा कहीं अदालतों के फैसले से गलत संदेश भी न जाए। समाज को और जिम्मेदारी से हर बात को देखना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उ. कोरिया का आत्मघाती ड्रोन व भारत की चिंता

पुष्परंजन

उत्तर कोरिया ने रूस से पहले टोही ड्रोन मंगाया। उद्देश्य सीमाओं पर निगरानी का था। अब वो टोही ड्रोन आत्मघाती अस्त्र के रूप में परिवर्तित हो चुके हैं, जिनका परीक्षण गुरुवार को हुआ। आत्मघाती ड्रोन, जिसे 'लोइटरिंग म्यूनिशन' के नाम से भी जाना जाता है, तब तक हवाई क्षेत्र में 'घूमने' या कब्ज़ा करने में सक्षम होता है, जब तक कि कोई लक्ष्य दिखाई न दे। फिर वह अपने पेलोड के साथ वहां दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। ड्रोन ख़त्म, और टारगेट ध्वस्त। इस सप्ताह परीक्षण किए गए नए 'सैटब्योल-4' संस्करण में पिछले मॉडल की तुलना में लंबे पंख हैं। उत्तर कोरियाई लड़ाकू ड्रोन आखिरी बार पिछले साल नवंबर में एक हथियार प्रदर्शनी में सार्वजनिक रूप से दिखाई दिया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से गाइडेड उत्तर कोरियाई आत्मघाती ड्रोन अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है। गोकि, उत्तर कोरिया के सैन्य सम्बन्ध पाकिस्तान से भी काफी पुराने हैं, समय-समय पर इस्लामाबाद के मिसाइल प्रोग्राम में फ्योंगयांग की मदद दिखाई देती रहती है, चुनांचे चिंता दिल्ली को भी होनी चाहिए।

गुरुवार को उत्तर कोरियाई तानाशाह किम ने भूमि और समुद्र पर लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम उन्नत टोही ड्रोन का निरीक्षण किया, साथ ही हाल ही में अनावरण किए गए एयरबोर्न अर्ली-वार्निंग (एईडब्ल्यू) विमान का भी निरीक्षण किया। उत्तर कोरिया अपने मौजूदा भूमि-आधारित रडार सिस्टम को बढ़ा रहा है। कोरियन सेन्ट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) द्वारा प्रकाशित तस्वीरों के अनुसार, उन्हें रडार डोम वाले एक बड़े चार इंजन वाले विमान की जांच करते देखा गया, जिसके बारे में माना जाता है कि यह एक संशोधित रूसी आईएल-76 कार्गो विमान है। परीक्षण के दौरान प्राप्त तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग आत्मघाती ड्रोन को अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और मिसाइल लॉन्च वाहनों के मॉकअप पर हमला करते हुए दिखाया गया है। एक फर्स्ट-पर्सन व्यू क्वाडकॉप्टर-स्टाइल ड्रोन भी लक्ष्य पर गोला-बारूद गिराता हुआ दिखाई दिया। राज्य मीडिया ने ड्रोन की उपस्थिति को अस्पष्ट करने के लिए उन्हें पिक्सेल किया।

लेकिन जिस तरह अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के मॉडल पर यह परीक्षण किया गया, उसने अमेरिका की परेशानी बढ़ा दी है। जून, 2023 में पहली बार उत्तर कोरिया ने सैटब्योल-4 टोही ड्रोन,

और सैटब्योल-9 लड़ाकू यूएवी के डेवलप किये जाने का खुलासा किया था। उत्तर कोरिया ने साल 2024 में फ्योंगयांग में आयोजित हथियार एक्सपो में उत्तर कोरिया ने छह हमलावर ड्रोन दिखाए, जो इस्राइल और तुर्की के डिजाइनों की नकल करते थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन-सिक ने नवंबर 2024 में कहा था कि मॉस्को ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में मदद के लिए सैनिकों को तैनात करने के बदले में प्योंगयांग को एंटी-एयर मिसाइल और अनिर्दिष्ट वायु रक्षा उपकरण प्रदान किए थे। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, शुरू में रूस को भेजे गए 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों में से लगभग 4,000 मारे गए, या घायल हो गए। माना जाता है, कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने ड्रोन युद्ध में भाग लिया था, जिससे उन्हें युद्ध के मैदान का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ। वाणिज्यिक उपग्रह इमेजरी का उपयोग करते हुए, विश्लेषकों ने पहले बता दिया था कि उत्तर कोरिया एक रूसी निर्मित आईएल-76 कार्गो विमान को पूर्व-चेतावनी भूमिका के लिए परिवर्तित कर रहा था। उत्तर कोरियाई न्यूज़ एजेंसी 'केसीएनए' ने गुरुवार को कहा कि किम ने टोही, खुफिया जानकारी जुटाने, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग और हमला प्रणालियों के लिए नए विकसित उपकरणों का अलग से निरीक्षण किया। तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग यूएवी को टैंक के आकार के लक्ष्य पर निशाना साधते हुए दिखाया गया और फिर आग की लपटों में विस्फोट हो गया। परीक्षण के दौरान यूएस आरक्यू-4 ग्लोबल हॉक के टरमैक पर खड़े तानाशाह किम के जो फोटो शेयर किये गए, उससे यही सन्देश जाता है कि हमारे पास अब आत्मघाती ड्रोन है, कर लो जो करना है।

उत्तर कोरिया कितना ढीठ है, उसका छोटा-सा उदाहरण 5 जनवरी, 2025 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दक्षिण कोरिया यात्रा के समय देख सकते हैं, तब उसने पूर्वी सागर में मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागकर अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई। आत्मघाती या कामिकाजे ड्रोन का विकास नया नहीं है। इस्राइल के 1982 के 'ऑपरेशन मोल क्रिकेट 19' में, ऐसे यूएवी का इस्तेमाल किया था। 1980 के दशक में, अमेरिका ने भी 'आईएआई हार्पी' और 'एजीएम -136 टैसिट रेनबो' जैसे कार्यक्रमों के ज़रिये आत्मघाती ड्रोन विकसित कर लिये थे।

बलूचिस्तान की शेरनी महरंग से सहमा पाक

अरुण नैथानी

हाल के दिनों में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के एक के बाद एक घातक हमलों व एक ट्रेन के अपहरण से पाकिस्तान सहमा हुआ है। जिसका नजला शांतिपूर्ण ढंग से बलूचिस्तान की आजादी की मांग कर रहे संगठनों पर गिर रहा है। पिछले दशकों में सुनियोजित ढंग से आजादी की मांग कर रहे हजारों राष्ट्रवादी बलूचों के लापता होने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। बलूचिस्तान में पिता, पति व पुत्र के इंतजार में हजारों आंखें पथरा गई हैं। ये लोग क्वेटा से लेकर इस्लामाबाद तक लगातार आंदोलन करके अपनों की हकीकत जानना चाहते हैं। इन्हीं में शामिल हैं डॉ. महरंग बलूच, जिनसे पाकिस्तान सरकार खौफ खाती है। जो शांतिपूर्ण ढंग से पाक का निरंकुश एजेंडा विफल बना रही है। सहमी पाक सरकार ने पिछले दिनों महरंग बलूच को हिरासत में ले लिया।

दरअसल, बीएलए के लगातार बढ़ते हमलों के बाद पाक सरकार ने शांतिपूर्ण आंदोलन का दमन तेज कर दिया है, जिसकी चपेट में शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने वाली मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. महरंग भी आई है। उल्लेखनीय है कि महरंग के पिता अब्दुल गफ्फार लैंगोव एक राष्ट्रवादी बलूच नेता थे। वर्ष 2009 में उनका सुरक्षा बलों ने अपहरण कर लिया था। जिसके तीन साल बाद उनकी लाश बुरी स्थिति में मिली थी। लेकिन आज महरंग पाक दमन के खिलाफ एक मुखर आवाज बन चुकी है। बहराल, हाल के बीएलए के एक के बाद एक बड़े हमलों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। खासकर, हालिया ट्रेन अपहरण के मामले ने, जिसने बलूचों की अस्मिता के संघर्ष की आवाज को दुनिया को सुनाया है। दरअसल, बलूचिस्तान के लोगों की आवाज बन चुकी, नई पीढ़ी की नेता महरंग की गिरफ्तारी पाक हुक्मरानों की हताशा का ही नतीजा है। वास्तव में पाक सेना व खुफिया संगठनों द्वारा पिता की हत्या के बाद महरंग ने प्रतिरोध की आवाज बनने का फैसला किया था। पिता की मौत के बाद सुरक्षा बलों ने उनके भाई को भी वर्ष 2017 में उठा लिया था।

उन्हें तब तीन माह तक हिरासत में रखकर यातनाएं देने के बाद छोड़ा गया। उसके बाद महरंग ने तय किया कि वह गैरकानूनी रूप से लोगों को उठाने और उनकी हत्या के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेंगी। उन पर आज तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, धमकियां दी जाती हैं, लेकिन महरंग पीछे मुड़कर देखने को तैयार नहीं हैं। वे कहती हैं कि बलूच लोग बिना अत्याचार के स्वाभिमान से जीना चाहते हैं। हम हिंसा व भय से मुक्ति चाहते हैं। हजारों लोगों के गायब होने का सिलसिला अब बंद होना चाहिए। दरअसल, बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। यह प्रांत पाक का 44 फीसदी भू-भाग रखता है। यह गैस, सोना व तांबा आदि दुर्लभ खनिजों व प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। जिस पर चीन समेत दुनिया के देशों की नजर है। वास्तव में जब भारत विभाजन हुआ तो पाक हुकमरानों ने बलूचिस्तान के कबाइली नेताओं को स्वायत्तता देने का वायदा किया। लेकिन बाद में राष्ट्रवादी बलूच नेताओं को धोखा देकर वहां सेना के बल पर दमन शुरू कर दिया। कालांतर में दमन के विरोध में कुछ प्रतिरोधियों ने बंदूकें उठा ली। उनका आरोप था कि पाकिस्तान ने यहां के प्राकृतिक संसाधनों का निर्मम दोहन तो किया लेकिन समृद्धि, शेष पाक व पाकिस्तानी पंजाब में आई। इसके विरोध में ही बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे संगठनों का उदय हुआ।

वास्तव में इस सबसे अमीर प्रांत की जनता बदहाली का जीवन जी रही है। यहां सड़कों, बिजली, पानी व स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है। चीन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के चलते यहां विदेशी पत्रकारों तक के जाने की मनाही है। इस राज्य के प्राकृतिक संसाधनों व संप्रभुता को चीन के हवाले किए जाने से इस क्षेत्र में सशस्त्र प्रतिरोध के सुर तेज हुए हैं। ऐसे में दमन व अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली बलूचिस्तान की शेरनी महरंग बलूच को गिरफ्तार करने की अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने निंदा की है। सवाल बलूचों की आवाज दबाने को लेकर भी उठ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दुनिया की चर्चित टाइम मैगजीन ने महरंग को दुनिया के सौ उभरते नेताओं में शामिल किया है। महरंग को तब गिरफ्तार किया गया था जब वे क्वेटा में दमन के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी। उन पर देशद्रोह व आतंक फैलाने जैसे आरोप लागए गए हैं। उनकी गिरफ्तारी का विरोध कर रहे कुछ प्रदर्शनकारी भी इस कार्रवाई के दौरान मारे गए।

बलूच यकजेहती कमेटी के तत्वावधान में आंदोलन की अगुआ बनी महरंग बलूच की गिरफ्तारी के खिलाफ बलूचिस्तान में तीखी प्रतिक्रिया हुई है। सोशल मीडिया के जरिये उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया जा रहा है। लोग उनके पिता के बलिदान व महरंग के योगदान को याद कर रहे हैं। बलूच लोग इस बत्तीस वर्षीय युवा बलूच नेता में अपनी उम्मीदों का अक्स देखते हैं। उनका मानना है कि उनके प्रतिरोध से बलूच नागरिकों का लापता होने का सिलसिला रुकेगा। उन्हें विश्वास है कि देर-सवेर पाक हुक्मरानों को उनके दमखम के आगे झुकना ही पड़ेगा। वैसे हाल के दिनों में डॉ. महरंग के प्रयासों से यह बदलाव देखने में आया है कि बलूच राष्ट्रीय अस्मिता का आंदोलन अब युवा प्रतिरोध का प्रतीक बनता जा रहा है। विश्वविद्यालयों से निकलने वाले छात्र बलूच आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं। पाक के दमन के बावजूद उनके प्रतिरोध के सुर मुखर हो रहे हैं। इतना ही नहीं जैसे-जैसे पाक सेना व खुफिया एजेंसियों का दमन बढ़ रहा है, युवा हथियार उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

माता को भोग लगाने के लिए बनाएं ये पकवान

हर साल चैत्र नवरात्रि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आरंभ हो जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि व्रत 30 मार्च से शुरू हो रहे हैं जो 6 अप्रैल को समाप्त होंगे। मान्यता है कि इन नौ दिनों में जो भी लोग सच्चे मन से माता रानी की पूजा करते हैं, उनकी हर मनोकामना पूरी होती है। बहुत से लोग पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ नौ दिन व्रत रखते हैं। व्रत रखने वालों में बहुत से लोग तो काफी सख्ती से इसका पालन करते हैं, लेकिन कई लोग फलाहार खाते-पीते नौ दिन का व्रत रखते हैं। व्रत के लिए फलाहारी थाली तैयार करना काफी आसान है। बस कुछ पकवानों को बनाकर आप फलाहारी तैयार कर सकती हैं। आप माता रानी को भी फलाहारी थाली का भोग लगा सकती हैं।

साबूदाना की खिचड़ी

साबूदाना खिचड़ी हर किसी को पसंद आती है। ऐसे में आप अपनी फलाहारी थाली को पूरा करने के लिए स्वादिष्ट साबूदाना खिचड़ी जरूर बनाएं। बच्चों से लेकर बड़ों तक को ये खिचड़ी स्वादिष्ट लगती है। व्रत में ऊर्जावान रहने के लिए आप साबूदाने की खिचड़ी डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा साबूदाने में आयरन, कॉपर, विटामिन बी-6 और कॉपर भरपूर मात्रा होता है। आप साबूदाने से बने पकोड़े और खीर का सेवन भी कर सकते हैं। साबूदाने की खिचड़ी में पोटैशियम होता है। ये ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करता है। ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

फ्रूट रायता

ज्यादातर लोग व्रत में रायता खाना पसंद करते हैं। इसकी वजह से गर्मी के मौसम में शरीर काफी हाइड्रेट रहता है। ऐसे में आप इस मौसम में मौसमी फलों वाला फ्रूट रायता बना सकती हैं। फलों से तैयार यह रायता पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से शरीर की गर्मी दूर होकर ठंडक का अहसास होता है। पाचन तंत्र व इम्यूनिटी तेजी से बढ़ने में मदद मिलती है।

सूखी अरबी

सूखी अरबी खाने में काफी स्वादिष्ट लगती हैं। चटाकेदार सूखी अरबी को आप फलाहारी थाली में बनाकर अपने परिवारवालों का दिल भी जीत सकती हैं। इसके अलावा अरबी सेहत का खज़ाना माना जाता है। इसमें मैग्नीशियम, आयरन, कॉपर, जिंक, फॉस्फोरस, पोटैशियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो कई तरह की स्वस्थ संबंधी रोगों को दूर रखता है। अरबी का सेवन हमारी इम्युनिटी बढ़ाता है और पेट का भी ख्याल रखता है।

मखाने की खीर

व्रत में मखाने की खीर खाने से आपका पेट पूरा दिन भरा रहेगा। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होती है। ऐसे में घर पर फलाहारी थाली में मखाने की खीर जरूर बनाएं।

आलू की सब्जी

व्रत में ज्यादातार लोगों को आलू की सादी सब्जी खाना पसंद होता है। क्योंकि इसमें ज्यादा मसाले नहीं होते हैं, ऐसे में इसे खाने के बाद आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। इसे बनाने के बाद इसमें धनिया पत्ती जरूर डालें। जिससे स्वाद बढ़ जाता है।

कुट्टू का पराठा

वैसे तो लोग अक्सर कुट्टू की पूड़ी बनाकर खाना पसंद होता है, लेकिन आप चाहें तो कुट्टू का पराठा बना सकती हैं। इसकी वजह से कि ज्यादा तेल खाने से आपको परेशानी हो सकती है, ऐसे में कम तेल वाला पराठा आपके स्वास्थ्य को भी ठीक रखेगा। इसके अलावा इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन-बी, आयरन, कैल्शियम, फॉलेट, जिंक, कॉपर, मैग्नीज और फासफोरस पाया जाता है। इसमें मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट रूटीन कोलेस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर को कम करता है। जो लोग सेलियक रोग से पीड़ित हैं उन्हें इसे खाने की सलाह दी जाती है।

हंसना मना है

बुढ़िया (डॉक्टर से)-दांत निकाल दीजिए। डॉक्टर-मुंह खोलो। बुढ़िया-लो खोल दिया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया ने छोटा मुंह और खोल दिया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया ने सारा मुंह ऊपर किया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया (क्रोध में)-क्या मुंह में बैठकर ही दांत निकालने का विचार है?

एक पार्टी में एक सज्जन ने नजदीक खड़े इंसान से कहा-औरत भी अजीब वस्तु है। कुछ देर पहले तक वह सामने वाली स्त्री मुझे देख मुस्करा रही थी एवं अब ऐसे घूर रही है, जैसे कच्चा ही चबा जाएगी। जी हां, मेरी पत्नी का मूड इसी तरह बदलता रहता है। नजदीक खड़े इंसान ने उत्तर दिया।

संजय-हाल ही में पैदा हुआ तुम्हारा भाई इतना रोता क्यों है? अजय-बात ये है कि यदि तुम्हारे एक भी दांत न हो, सिर गंजा हो, पैर इतने दुर्बल हों कि आप खड़े भी न हो सको। ऐसी हालत में मेरा ख्याल है कि तुम्हें भी रोना आएगा।

बैंक मैनेजर-तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया। अकाउन्ट होल्डर-आपको कैसे पता चला? मैनेजर-आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।

कहानी | अकबर का तोता

एक बार अकबर बाजार में भ्रमण पर निकले थे। वहां उन्होंने एक तोता देखा, उसके मालिक ने उसे बहुत अच्छी बातें सिखाई थीं। अकबर ने उस तोते को खरीदने का फैसला कर लिया। अकबर ने मालिक को अच्छी कीमत दी। वो उस तोते को राजमहल लेकर आए। यहां पर तोते को लाने के बाद अकबर ने उसे बहुत अच्छे से रखने का फैसला किया। अब अकबर जब भी उससे कोई बात पूछते, तो वह उस बात का तुरंत जवाब दे देता था। वह तोता दिनों-दिन उनके लिए जान से भी प्यारा हो गया था। उन्होंने महल में उसके रहने के लिए शाही व्यवस्था करने का आदेश दिया। उन्होंने अपने सेवकों को कहा कि इस तोते का खास ख्याल रखा जाए। तोते को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।' यह तोता किसी भी हालत में मरना तो बिल्कुल भी नहीं चाहिए। अगर किसी ने तोते के मरने की खबर उनको दी, तो वह उसको फांसी दे देंगे।' तोते के रहने का खास ख्याल रखा जाने लगा। फिर एक दिन तोता मर गया। अब महल के सेवकों में हड़कंप मच गया कि आखिर अकबर को यह बात कौन बताएगा, क्योंकि अकबर ने कहा था कि जो भी तोते की मौत की खबर उन्हें देगा, वह उसकी जान ले लेंगे। अब सेवक परेशान थे। काफी सोच-विचार के बाद सभी ने बीरबल को सारी बात बताई। यह भी बताया कि बादशाह अकबर मौत की खबर देने वाले को मौत की सजा देंगे। यह सुनकर बीरबल, बादशाह को यह खबर सुनाने को राजी हो गए। वो महल में अकबर को यह जानकरी देने के लिए चल पड़े। बीरबल ने अकबर के पास जाकर कहा, 'महाराज एक दुखद खबर है।' अकबर ने पूछा - 'बताओ क्या हुआ?' बीरबल ने कहा कि महाराज आपका प्यारा तोता, न तो कुछ खा रहा है, न तो कुछ पी रहा है, न तो कुछ बोल रहा है, न आंखें खोल रहा है और न ही कोई हरकत कर रहा है और न ही।' अकबर गुस्से में आकर बोले, 'न ही क्या? सीधा-सीधा क्यों नहीं बोलते कि वो मर गया है।' बीरबल ने कहा, 'हां महाराज, लेकिन ये बात मैंने नहीं आपने कही है। इसलिए, मेरी जान बक्श दीजिए।' अकबर भी कुछ न बोल सके। इस तरह बीरबल ने बड़ी सूझबूझ से अपनी और अपने सेवकों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ — व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन — घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

कन्या — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लाभ होगा। व्यापार - व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला — दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है।

कुम्भ — फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

मीन — यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

इधर के दर्शक साउथ सिनेमा देखते हैं उधर वाले ऐसा नहीं करते : सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों सिकंदर फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। उन्होंने हाल ही में पैन इंडियन सिनेमा को लेकर बात की। उन्होंने मजबूत स्क्रिप्ट की जरूरत पर जोर दिया और साउथ इंडियन फिल्मों की सक्सेस से मेल खाने में बॉलीवुड की चुनौतियों पर बात की। सलमान खान ने मुंबई में सिकंदर का ट्रेलर लॉन्च किया। प्रेस इवेंट के दौरान कहा, यहां हम साउथ की फिल्मों को स्वीकार करते हैं, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। हम उन्हें देखने जाते हैं, लेकिन उनके फैंस हमेशा हमारी फिल्में देखने नहीं आते। सलमान ने कहा कि बड़े बजट की फिल्म बनाना एक जिम्मेदारी है। इसमें एक मजबूत स्क्रिप्ट की जरूरत होती है। जबकि इस समय बॉलीवुड ऐसी स्क्रिप्ट का निर्माण नहीं कर रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि वो कई साउथ इंडियन टेक्नीशियन, डायरेक्टर्स और एक्टर्स के साथ काम कर चुके हैं। फिर भी उनकी फिल्में साउथ में उतनी सक्सेसफुल नहीं हुईं, क्योंकि वहां के फैंस अपने स्टार्स के लिए बहुत वफादार हैं। सलमान ने आगे कहा कि साउथ में लोग उन्हें पहचानते हैं और उनका अभिवादन करते हैं, लेकिन उन्हें थिएटर्स में उनकी फिल्में देखने के लिए राजी करना मुश्किल है। साउथ इंडियन फिल्में, नॉर्थ में फेमस हैं, लेकिन बॉलीवुड फिल्मों को अभी तक साउथ में वैसी प्रतिक्रिया नहीं मिलती है। सिकंदर की बात करें तो इसमें सलमान के अलावा रश्मिका मदाना, सत्यराज सहित कई स्टार्स नजर आने वाले हैं। फिल्म 30 मार्च 2025 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में नजर आयेंगी शनाया कपूर

बॉलीवुड | मसाला

शनाया कपूर अपनी पहली फिल्म की रिलीज से पहले ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़ चुकी हैं। इस लिस्ट में करण जौहर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म के अलावा मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म शामिल है। शनाया कपूर स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में शनाया एक नहीं बल्कि डबल रोल निभाती नजर आएंगी। करण के इस बड़े प्रोजेक्ट के अलावा शनाया मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी।

इन फिल्मों से पहले शनाया की फिल्म तू या मैं का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें वह आदर्श गौरव के साथ नजर आईं। यह एक रोमांचक थ्रिलर फिल्म है, जिसे आनंद एल. राय ने सपोर्ट किया है। प्रशंसकों को यह टीजर बहुत पसंद आया और वह लगातार शनाया की तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शनाया विक्रांत मैसी के साथ फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में भी आएंगी। सोशल मीडिया पर शनाया के फैंस उनकी

जमकर तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि वह सबसे अलग और स्मार्ट तरीके से काम कर रही हैं। तो वहीं कुछ फैंस का कहना है कि वह अपनी कजिन सिस्टर जान्हवी और खुशी से भी आगे निकल सकती हैं।

शनाया कपूर बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी और महीप कपूर की बेटी हैं। संजय कपूर कई बॉलीवुड फिल्मों में बतौर हीरो अपनी छाप छोड़ चुके हैं। वहीं महीप को आपने सिंगर इला अरुण के प्रसिद्ध गाने निगोड़ी कैसी जवानी है में देखा होगा। महीप का करियर कुछ खास नही रहा, लेकिन अब उनकी बेटी शनाया कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

'भूतनी' से पलक तिवारी का फर्स्ट लुक हुआ जारी

पलक तिवारी सिल्वर स्क्रीन पर फिर से आ रही हैं। इस बार वो एक हॉरर फिल्म के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। पलक फिल्म 'भूतनी' में नजर आएंगी। अब फिल्म से पलक का पहला लुक भी सामने आ गया है। जिसमें पलक डरी-सहमी नजर आ रही हैं। लुक के साथ ही पलक के किरदार का नाम भी रिवील कर दिया गया है।

फिल्म के मेकर्स की ओर से पलक तिवारी का पहला लुक जारी किया गया है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें पलक तिवारी नजर आ रही हैं। फिल्म में पलक अनन्या नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस पोस्टर में लिखा है, 'पलक तिवारी अनन्या के किरदार में, साथ में लिखा है प्यार की रक्षक।'

इस पोस्टर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, लेकर इश्क की छाया आंखों में और डर का बोझ दिल पर, क्या ये प्यार की रक्षक बच पाएगी मोहब्बत से? पलक के पहले लुक को

जारी करने के साथ ही मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज की तारीख भी जारी कर दी है। भूतनी 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पलक का लुक जारी होते ही फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है। क्योंकि फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। आखिर पलक का किरदार अनन्या किसकी या किस चीज की रक्षा कर रहा है? क्या वह किसी छिपे हुए खतरे से प्यार की रक्षा कर रहा है, या कुछ और अलौकिक खेल चल रहा है? पलक तिवारी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से की थी। इससे पहले वो हार्डी संधू के गाने 'बिजली-बिजली' में नजर आई थीं।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे महंगी लकड़ी

1 किलो सोने के बराबर है इसके 10 ग्राम की कीमत

दुनियाभर में कई प्रकार की लकड़ियां पाई जाती हैं, जिनका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है। सीसम से लेकर सागवान जैसी लकड़ियों का उपयोग आमतौर पर बेड, फर्नीचर, सजावटी सामान या रोजमर्रा की चीजें बनाने के लिए किया जाता है। इसके बाद ही लोग इस काम में अन्य लकड़ियों का उपयोग करते हैं। लेकिन दुनिया में एक ऐसी लकड़ी भी है जिसकी कीमत हीरे और सोने से भी महंगी है। ये लकड़ी अगरवुड पेड़ से जुड़ी है, जिसका नाम कायनम है। इसे दुनिया की सबसे दुर्लभ और महंगी लकड़ी माना जाता है। दुर्लभ मानी जाने वाली इस लकड़ी को देवताओं की लकड़ी कहा जाता है।

अगरवुड आमतौर पर सस्ते भी मिल जाते हैं। लेकिन इसमें भी खास प्रकार होते हैं। असली अगरवुड 83 लाख रुपए किलो तक बिकता है। लेकिन इसमें भी कायनम को सबसे ज्यादा दुर्लभ माना जाता है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, 10 ग्राम कायनम की कीमत 85 लाख 63 हजार रुपए होती है। इतने दाम में कोई भी लगभग 1 किलो सोना खरीद सकता है। बता दें कि अगरवुड के पेड़ मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशिया, चीन, अरब और जापान के साथ-साथ भारत के जंगलों में पाए जाते हैं। इसकी लकड़ी का उपयोग इत्र बनाने में किया जाता है। हालांकि, इत्र बनाने की प्रक्रिया लंबी और जटिल है। इसके लिए हरे एक्विलरिया वृक्ष की लकड़ी में गर्म धातु की छड़ या ड्रिल की सहायता से कई छेद किए जाते हैं। इन छिद्रों

में एक विशेष कवक डाला जाता है, जो पेड़ के अंदर फैलता है। पेड़ को एहसास होता है कि यह उसके लिए खतरा है और वह अपनी रक्षा के लिए गहरे काले रंग का राल बनाना शुरू कर देता है।

यह राल धीरे-धीरे पेड़ की लकड़ी को अगरवुड में परिवर्तित कर देती है। इसकी लकड़ी को निकालने के बाद इसका उपयोग इत्र बनाने में किया जाता है। इस लकड़ी के गोंद से ऊद तेल निकाला जाता है। यह एक विशेष प्रकार का आवश्यक तेल है, जिसका उपयोग विशेष रूप से इत्र बनाने में किया जाता है। आज इस तेल की कीमत 25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से भी अधिक है। वहीं, कायनम से बने तेल और इत्र की कीमत अनमोल होती है। इसके अलावा, इस पौधे का उपयोग कोरिया में औषधीय शराब बनाने के लिए किया जाता है और अरब में इसका उपयोग इत्र बनाने के लिए किया जाता है। भारत की बात करें तो यह पेड़ असम में पाया जाता है। असम को भारत की अगरवुड राजधानी कहा जाता है।

बता दें कि मध्य पूर्वी देशों में मेहमानों के स्वागत के लिए सामान्य अगरवुड की लकड़ी का एक छोटा सा टुकड़ा जलाया जाता है। इसके अलावा, इसका उपयोग कपड़ों और इत्र में भी किया जाता है। अगरवुड किसानों के अनुसार, दुनिया में कोई भी अन्य सुगंध इसकी सुगंध से मेल नहीं खा सकती। उनका कहना है कि इसे जलाने के बाद इसमें मीठी सुगंध आती है। इसके धुएं की थोड़ी सी मात्रा बंद कमरे को कम से कम चार से पांच घंटे तक सुगंधित बनाए रखती है। हालांकि, अब विभिन्न कारणों से इन पेड़ों की संख्या कम होती जा रही है, जो इनके लिए खतरा है।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य अगरवुड तो कई जगहों पर मिल जाते हैं, लेकिन इसका विशेष प्रकार का पेड़ कायनम दुर्लभ है। इसे धरती की सबसे दुर्लभ लकड़ी माना जाता है, जो टाइटेनियम, यूरेनियम, प्लैटिनम से भी दुर्लभ है। कायनम सभी अगरवुड प्रजातियों में सबसे अच्छी है, और इसकी सुगंध सभी ऊद प्रजातियों में सबसे अधिक मूल्यवान है। महफ़े नाम के एक शख्स को 600 साल पुरानी 16 किलो की कायनम लकड़ी मिली थी, जिसे 171 करोड़ से ज्यादा में बेचा गया था। वहीं, शंघाई में तीन या चार साल पहले दो किलो कायनम 154 करोड़ में बिकी यानी एक किलो की कीमत 77 करोड़ रुपए।

118 रुपये में मिर्च मसाला लगाकर परोसी जा रही है बांस की डंडी, लड़कियां ज्यादा पसंद कर रही हैं

दुनिया में जितने देश, उतने ही खाने-पीने के फ्लेवर्स मौजूद हैं। हर जगह पर अपना स्वाद होता है, जो कई बार अच्छा होता है तो कई बार बहुत ही अजीब लगता है। कुछ लोग वेजिटेरियन होते हैं, जो जानवरों का मांस नहीं खाते हैं तो कुछ लोग किसी भी तरह के जानवर का मीट खा लेते हैं। खासतौर पर अगर चीन की बात करें, तो यहां कोई कुछ भी खा सकता है। चीन में इस वक्त एक अलग ही डिश चर्चा में है, जिसके बारे में शायद ही आपने कभी पहले सुना होगा। हम जिस बांस की डंडी का इस्तेमाल हैंडीक्राफ्ट्स में करते हैं, उसे यहां स्नैक्स के तौर पर परोसा जा रहा है, वो भी मिर्च-मसाले डालकर। वैसे ये चीन में ही हो सकता है क्योंकि यहां तो पत्थर और बर्फ को भी मसाले के साथ फ्राई करके लोगों को परोस दिया जाता है। चीन के एक बार्बीक्यू रेस्टोरेंट ने ऐसा अजीब मेन्यू लॉन्च किया है कि सुनकर आपका सिर चकरा जाएगा। वैसे तो ये खाना कहा ही नहीं जाना चाहिए, लेकिन इसे यहां खूब पसंद किया जा रहा है। मामला हुनान प्रांत के रेस्टोरेंट का है, जहां बांस की डंडी पर नमक-मिर्च-मसाला लगाकर उसे ग्रिल किया जाता है और इसे परोसा जाता है। मा नाम के शेफ ने ये डिश बनाई है, जो मूलरूप से बांस की पतली-पतली डंडियां हैं। इनके ऊपर मिर्च-मसाला और हरा प्याज़ डालकर ग्रिल किया जाता है। इसे लेने वाला लोग इसके ऊपर से फ्लेवर को ही एंजॉय करते हैं, जबकि डंडियां फेंक देते हैं। ये डिश खासतौर पर महिलाओं को खूब पसंद आ रही है। वे इसे लेट नाइट स्नैक्स के तौर पर ले रही हैं क्योंकि इसमें कोई कैलोरी नहीं होती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि सिर्फ डंडी के मसाले का स्वाद चखने के लिए हर दिन 100 से ज्यादा प्लेट्स ऑर्डर की जाती हैं। ग्राहकों का कहना है कि वे इस पर एक्स्ट्रा फ्लेवर भी डाल देते हैं और इसका आनंद लेते हैं। सोशल मीडिया पर लोग इसका खूब मज़ाक उड़ा रहे हैं। एक यूज़र ने कहा- इससे बेहतर नूडल्स का मसाला चाट लें। वैसे चीन में पहले भी पत्थरों को मसालों में फ्राई करके सर्व किया गया था और बर्फ को मिर्च-मसालों में भूनकर डिश बनाई गई थी। ऐसे में ये कोई बड़ी बात नहीं है।

आवारा कुत्तों को लेकर कीर्ति ने पीएम से की मुलाकात

» कांग्रेस सांसद बोले- देश में आवारा कुत्तों की संख्या साढ़े 6 करोड़ से भी अधिक

» शशि थरूर के बाद दूसरे बड़े नेता कीर्ति चिदंबरम बीजेपी के टच में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने देश में बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या और उससे उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य और सुरक्षा की चिंताओं के बारे में जानकारी दी। कार्ति चिदंबरम ने इस मुलाकात की जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा आज संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में प्रधानमंत्री से मुलाकात की और आवारा कुत्तों से उत्पन्न स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी बढ़ती चिंताओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया।

इस समस्या पर योजना बना कर काम करने की दी सलाह

देश में आवारा कुत्तों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है। यहां 6.2 करोड़ से अधिक आवारा कुत्ते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि एक राष्ट्रीय कार्य बल की स्थापना की जाए जो इस समस्या का समग्र मानवीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाधान निकाले। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय निकायों के साथ मिलकर काम करने की भी बात की। इसके अलावा उन्होंने आवारा कुत्तों के लिए समर्पित आश्रय गृहों के निर्माण और इस चुनौती का समाधान करने के लिए एक दीर्घकालिक योजना तैयार करने का सुझाव भी दिया।

भारत में हैं रेबीज के सबसे ज्यादा मामले

कांग्रेस नेता ने बताया कि देश में रेबीज का प्रकोप भी गंभीर है। दुनिया भर में होने वाली रेबीज संबंधित मौतों में 36 प्रतिशत भारत में होती हैं। पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम 2023 को लागू किए जाने के बावजूद इसका प्रभावी तरीके से पालन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा मैंने प्रधानमंत्री के सामने इस समस्या को उठाया और बताया कि मौजूदा व्यवस्था अपर्याप्त है। स्थानीय निकायों के पास इस मुद्दे का समाधान करने के लिए आवश्यक संसाधन धन और तकनीकी समर्थन की भारी कमी है। यह स्पष्ट है कि इस पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट में कुणाल कामरा के समर्थन में जनहित याचिका दायर

» याचिकाकर्ता ने कहा- अपनी राय व्यक्त करने का सबको अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। स्टैंड अप कमीडियन कुणाल कामरा के समर्थन में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में कामरा के चुटकुलों को संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत मान्यता देने की मांग की गई है, जो वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। याचिका में कहा गया है कि कामरा के चुटकुले व्यंग्य राजनीतिक आलोचना के दायरे में आते हैं, और इनका उद्देश्य किसी प्रकार की नफरत या दुश्मनी फैलाना नहीं, केवल व्यंग्यात्मक था।

यह याचिका कानून की पढ़ाई करने वाले छात्र हर्षवर्धन खांडेकर ने एडवोकेट आदित्य कटारनवरे के माध्यम से दायर की है। याचिका में कहा गया है कि कुणाल के चुटकुले संविधान द्वारा दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत आते हैं और उन्हें एक अभिनेता के रूप में अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि कामरा के चुटकुले किसी भी हिंसा, नफरत या असहमति को बढ़ावा नहीं देते, बल्कि वे समाज में हास्य और विचारों की विविधता को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, याचिका में खार स्थित हैबिटेट स्टूडियो के खिलाफ की गई नगरपालिका की कार्रवाई को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नगरपालिका ने स्टूडियो को कब्जे में लेकर एक पक्षपातपूर्ण निर्णय लिया है। याचिका में यह भी कहा गया है कि इस निर्णय में नगरपालिका अधिकारियों ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और इस कार्रवाई को जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच की जानी चाहिए।

स्टूडियो के खिलाफ रद्द हो कार्रवाई

याचिका में मांग की गई है कि खार स्थित हैबिटेट स्टूडियो के खिलाफ की गई कार्रवाई को रद्द किया जाए और नगर निगम द्वारा इस तरह के चयनात्मक निर्णय को सही ठहराने की जिम्मेदारी उन अधिकारियों पर डाली जाए, जिन्होंने यह फैसला लिया।

अब आठ अप्रैल को होगा केकेआर-एलएसजी का मैच

» पुलिस की मांग पर बदला गया मुकाबले का शेड्यूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच होने वाले मैच नंबर 19 की तारीख को बदल दिया है। यह मुकाबला पहले 6 अप्रैल 2025 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाना था, लेकिन अब इसे 8 अप्रैल को दोपहर 3:30 बजे के लिए रीशेड्यूल किया गया है।

आईपीएल की तरफ से जारी की गई प्रेस रिलीज में इस बदलाव की वजह कोलकाता पुलिस की ओर से की गई सिफारिश को बताया गया है। पुलिस ने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) को सूचित किया था कि शहर में त्योहारों के कारण सुरक्षा बलों की तैनाती प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से बीसीसीआई ने इस मैच को दो दिन आगे बढ़ाने का फैसला किया है। अब 6 अप्रैल को अब सिर्फ एक मैच खेला जाएगा, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें शाम 7:30 बजे आमने-सामने होंगी। वहीं 8 अप्रैल को डबल हेडर होगा। पहले दोपहर 3:30 बजे कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला होगा, और फिर शाम 7:30 बजे पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीमें न्यू चंडीगढ़ में भिड़ेंगी।

धोनी ने तोड़ा मिस्टर आईपीएल रैना का बड़ा रिकॉर्ड

चेन्नई। चेन्नई की टीम भले ही आरसीबी से मैच हार गई हो, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी का जलवा देखने को मिला। उन्होंने सीएसके के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया। धोनी ने इस मैच में 187.50 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। वह 16 गेंद में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर नाबाद रहे। धोनी इसके साथ ही आईपीएल में सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। धोनी ने इस मामले में पूर्व ऑलराउंडर और मिस्टर आईपीएल के नाम से मशहूर सुरेश रैना को पीछे छोड़ा। रैना ने इस फ्रेंचाइजी के लिए 4687 रन बनाए थे। धोनी के अब 4699 रन हो गए हैं। इतना ही नहीं, रवींद्र जडेजा ने भी खास उपलब्धि हासिल की। वहीं जडेजा ने आईपीएल में 3000 रन और 100 विकेट पूरे करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। जडेजा ने मैच में 25 रन बनाए।

जलकल कर्मचारी संघ की नई टीम के अध्यक्ष बने आनंद मिश्रा

» कर्मचारी हितों की लड़ाई को पूरी ताकत से लड़ेगा संघ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अध्यक्ष पद पर चयनित आनंद मिश्रा और सभी पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संघ के प्रमुख संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने चयनित कार्यकारिणी के सदस्यों को माला-फूल पहनाकर सम्मानित किया।

घोषणा के बाद कर्मचारियों और संगठन के सहयोगी सदस्यों ने ढोल-नगाड़ों के साथ नगर निगम मुख्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शिष्टाचार भेंट की। संघ ने इस दौरान कर्मचारियों एवं संस्था हित में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन पूरी ताकत से खड़ा रहेगा। हमारा लक्ष्य कर्मचारियों को एक मजबूत और सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां उन्हें उनका हक और सम्मान मिले। संघ किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठाएगा और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगा।

संघ ने संस्था हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का दोहराया संकल्प

नगर निगम ने जारी की बड़े बकायेदारों की लिस्ट

» नेक्सस आउटडोर शोभा पब्लिसिटी और रायल कैफे का नाम सूची में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के अंतर्गत विज्ञापन लाइसेंस फीस का भुगतान न करने वाली कई एजेंसियां और कंपनियां बकायेदारों की सूची में शामिल हो गई हैं। नगर निगम ने सभी बकायेदारों को नोटिस जारी कर दिया है और 31 मार्च 2025 तक बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया है।

यदि समय पर भुगतान नहीं किया गया, तो निगम लाइसेंस रद्द करने और ब्लैकलिस्ट करने जैसी कड़ी कार्रवाई करेगा। नगर निगम के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि यदि 31 मार्च 2025 तक ये बकायेदार अपनी लाइसेंस फीस का भुगतान नहीं करते हैं, तो लाइसेंस रद्द करने और वैधानिक कार्रवाई करने जैसी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बकायेदारों को चेतावनी

नगर निगम प्रशासन ने अंतिम चेतावनी देते हुए कहा है कि समय पर भुगतान न करने पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे में अब यह देखना होगा कि ये एजेंसियां समय पर भुगतान करती हैं या नगर निगम को मजबूरन कड़े कदम उठाने पड़ेंगे।

म्यांमार-थाइलैंड में भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 1000 के पार, 2,376 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। म्यांमार में आए एक भूकंप में कम से कम 1,002 लोग मारे गए, 2,376 लोग घायल हुए और 30 लोग अब भी लापता हैं। यह जानकारी म्यांमार के राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने दी है। म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद परिवहन और संचार नेटवर्क में भारी दिक्कतें आईं, फिर भी बचाव कार्य तेजी से चल रहे हैं। सागाइंग के पास आए इस भूकंप के बाद 2.8 से 7.5 तीव्रता के 12 झटके महसूस किए गए, जिससे प्रभावित इलाकों में हालात और खराब हो गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, तबाही बहुत बड़ी है और मांडले, बागो, मैगवे, उत्तर-पूर्वी शान राज्य, सागाइंग और ने-पी-ताव सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके हैं। म्यांमार

सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया है, क्योंकि आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

यांगून-मांडले राजमार्ग, जो नेपीता और मांडले के पास स्थित है, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे राहत कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। भूकंप से प्रभावित इलाकों में पहुंचने और बचाव कार्य में मदद के लिए लोगों ने पुराने यांगून-मांडले मार्ग का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा, मांडले एयरपोर्ट और राजमार्ग के कुछ हिस्सों में इमारतें गिर जाने के कारण यांगून और मांडले के बीच यात्रा और भी मुश्किल हो गई है।

निचले इलाकों में ज्यादा दिक्कत

निचले म्यांमार से अग्निशमन सेवा कर्मियों समेत बचाव दल पी ताव और मांडले जैसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच गए हैं। हालांकि, क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे, बिजली की कटौती और फोन-इंटरनेट सेवाओं में परेशानी के कारण राहत कार्यों में दिक्कतें आ रही हैं।अंतर्राष्ट्रीय सहायता आनी शुरू हो गई है। म्यांमार की आपातकालीन प्रतिक्रिया में मदद करने और प्रभावित लोगों को सहायता देने के लिए शनिवार सुबह एक चीनी बचाव दल यांगून पहुंचा। अधिकारी और बचाव दल दिन-रात प्रभावित लोगों की मदद में जुटे हुए हैं। लेकिन, म्यांमार को हाल के समय में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक से उबरने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

जिंदगी कैसे शुरू होगी दोबारा

महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के खराब होने और जरूरी सेवाओं के बंद होने के कारण, बचे हुए लोगों को अपनी जिंदगी फिर से शुरू करने में मदद देने के लिए जल्दी राहत प्रयासों की जरूरत है। म्यांमार के नेता वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय समुदायों से मानवीय सहायता की अपील की है। मिन आंग ह्लाइंग मांडले में बचाव कार्य में मदद करने के लिए पहुंचे।

देखते ही देखते जमींदोज हुई इमारतें

थाईलैंड और म्यांमार में बड़े पैमाने पर आये से बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। यहां एक बहुमंजिला इमारत देखते ही देखते जमींदोज हो गई है। भूकंप का केंद्र म्यांमार में जमीन के 10 किलोमीटर नीचे थे। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में बेहद ही शक्तिशाली भूकंप से धरती कांप उठी। इसका असर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी देखने को मिला है। अधिकारियों ने बताया कि बैंकॉक में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत भूकंप के झटकों से भरभराकर ढह गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में एक बहुमंजिला इमारत धूल के गुबार के बीच ढहती नजर आ रही है और वहां मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते हुए भाग रहे हैं। इमारत के मलबे में 40 से अधिक मजदूरों के फंसे होने की आशंका है।

बलिया में जनआक्रोश, युवती की हत्या से भड़के लोग

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे

» हत्या को आत्महत्या बता रही है बलिया पुलिस!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में युवती की मौत से लोगों में आक्रोश है। आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पीड़ित परिजन से मिलने उनके गांव पहुंचे। उन्होंने घरवालों से बात करके घटना की जानकारी ली। परिजनों बेटी की हत्या होने का आरोप लगा रहे हैं। जबकि पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है।

अजय राय ने कहा कि सरकार के दबाव में पुलिस विभिन्न स्थानों पर हुई हत्याओं को आत्महत्या करार दे रही है। कई मामलों में पकड़कर थाने ले जाए गए लोगों को पीट कर मार दिया जा रहा है। ऐसा जघन्य अपराध किसी भी सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। बलिया और बस्ती प्रकरण की हाईकोर्ट के जज से जांच कराई जाए। कांग्रेस इन परिवारों को न्याय मिलने तक संघर्ष करेगी।

जब हाथ बंधे थे तो आत्महत्या कैसे हो सकती है?

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के मुताबिक सुबह जब वह सराय गुलाब राय गांव पहुंचे तो वहां सन्नाटा पसरा था। जिस युवती की हत्या कर शव घर के सामने पेड़ पर लटका दिया गया था, उस परिवार से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि युवती के हाथ पीछे बंधे थे। पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है। लेकिन, जब हाथ बंधे थे तो आत्महत्या कैसे हो सकती है? भाजपा सरकार में पुलिस निरंकुश हो गई है। इस परिवार को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस संघर्ष करेगी।

हाईकोर्ट के जज से जांच कराई जाए जांच

अजय राय ने कहा कि हमारी मांग है कि पूरे मामले में हाईकोर्ट के जज से जांच कराई जाए। गांव के चौकीदार के घर यह घटना हुई है। जो व्यक्ति करीब 14 साल से पुलिस के साथ काम कर रहा है, उसे ही उसके ही थाने की पुलिस न्याय नहीं दिला रही है। यह पूरे प्रदेश के चौकीदारों का अपमान है। ऐसी ही एक घटना बस्ती में हुई है। वहां पुलिस ने एक युवक को घर से उठाया। इसके बाद पीट कर हत्या कर दी। उस परिवार को भी न्याय दिलाया जाएगा। इसके लिए चाहे जो भी करना पड़े।

नगर निगम ने मानी गलती, नहीं सील होगा मीर अनीस का मकबरा

» निगम ने हाउस टैक्स वसूली का चस्पा किया था नोटिस

» सीनियर एडवोकेट मोहम्मद हैदर की अपील पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह की पहल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 28 मार्च 2025 को मकबरा मीर अनीस पर नगर निगम लखनऊ के द्वारा हाउस टैक्स के वसूली के लिए वारंट /कुर्की का आदेश लगाए जाने से व्यथित होकर सीनियर एडवोकेट मौहम्मद हैदर ने नगर आयुक्त को एक प्रत्यावेदन प्रेषित किया। इस प्रत्यावेदन में

एडवोकेट हैदर ने उक्त रकम को स्वंय और अन्य स्रोतों से इक्टठा कर जमा करने की बात कही गयी थी। यही नहीं तत्पश्चात इस कार्यवाही की पोषणीयता पर भी जवाब देने की बात कही थी।

प्रत्योवदन को संज्ञान में लेते हुए नगर आयुक्त लखनऊ, इंद्रजीत सिंह जो कि बेहद ईमानदार अधिकारी हैं, के निर्देशों पर ये जानकारी प्राप्त हुई है कि उक्त नोटिस पर मकबरा मीर अनीस त्रुटिवश लिख गया है, जबकि वो नोटिस मकबरे का नहीं , बल्कि मकबरे के समीप एक मकान से सम्बंधित है जिसका अध्यासी वर्षों से नगर निगम का गृहकर नहीं दे रहा है।

नहीं सील होगा मकबरा

बहरहाल, नगर निगम के अधिकारियों, मुख्य रूप से कर जोनल अधिकारी जोन 6, नगर निगम, लखनऊ मनोज यादव के द्वारा उदारता का परिचय देते हुए उस नोटिस से जो भी ब्याज और दंडात्मक ब्याज की राशि थी को समाप्त कर मात्र गृहकर की राशि उल्लिखित कर बिल संशोधित कर दिया है जो रू 24140/- ही है, जो सम्बंधित अध्यासी के द्वारा जमा कर अपनी देयता का निस्तारण कराया जा सकता है। खुशी की बात यह है कि मकबरा मीर अनीस न तो उक्त नोटिस से सील होगा और न ही मकबरा मकबरा मीर अनीस पर किसी तरह की कोई अन्य कार्यवाही प्रस्तावित है।

सरकार में संवेदना नाम की चीज नहीं : तारिक अनवर

» कांग्रेस सांसद ने कहा- केंद्र सरकार जिद्दी है, जो ठान लेती है उसे किसी भी तरह से करवाती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल को लेकर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा है कि केंद्र सरकार जिद्दी है, जो ठान लेती है बस उसे किसी भी कीमत में उसे पूरा करना होता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार में संवेदना नाम की चीज नहीं है।

खासतौर पर जब मुसलमानों का मामला आता है, तो यह सरकार पूरी ताकत लगा देती है। सरकार कह रही है कि वह वक्फ संशोधन बिल मुसलमानों के हित में ला रही है, लेकिन मुसलमानों को विश्वास में लिए बिना कैसे इस बिल को पास किया जा सकता है? यह सरकार बहुत जिद्दी है। एक बार जो ठान लेती है, उसे बस पूरा करती है।

इफ्तार पार्टी के जवाब में दिल्ली सरकार ने नवरात्र में फलाहार पार्टी आयोजित करने का फैसला किया है। इस पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि सभी की अपनी-अपनी सोच होती है। लेकिन, किसी पर इसे थोपना नहीं चाहिए। हर व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने हिसाब से त्योहार मनाए। लेकिन, दूसरे धर्म के लोगों पर इसे नहीं थोपना चाहिए और यही हमारे देश की परंपरा और संस्कार है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा आरएसएस पर दिए बयान पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि यह इतिहास के पन्नों में शामिल है। जिसने भी इतिहास पढ़ा है, वह जानते हैं कि देश की आजादी में आरएसएस का क्या रोल था।

बिहार हाईस्कूल के रिजल्ट घोषित, तीन टॉपर

टॉप टेन में 123 परीक्षार्थियों के नाम, जिनमें 60 छात्राएं और 63 छात्र शामिल

» सबसे कम दिनों के अंदर मैट्रिक परीक्षा का परिणाम किया घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 10वीं क्लास के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये हैं। परीक्षा में 82 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए हैं। इस साल तीन परीक्षार्थी संयुक्त रूप से प्रदेश टॉपर रहे। बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने परीक्षा परिणाम जारी किये।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ और बीएसईबी के अध्यक्ष आनंद किशोर भी उपस्थित रहे। इस वर्ष 82.11 प्रतिशत यानी 12.79 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी सफल हुए हैं। इस साल टॉपर में तीन परीक्षार्थियों ने अपनी जगह बनाई है।

उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों में करीब 4,70,845 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी से पास हुए,

रिजल्ट पेश करते शिक्षा विभाग के एसीएस मंत्री और बीएसईबी के अध्यक्ष।

जबकि 4,84,012 परीक्षार्थी द्वितीय और 3,07,792 परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण घोषित किए गए। बीएसईबी के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि इस साल पूरे राज्य में टॉप टेन में 123 परीक्षार्थियों के नाम हैं, जिनमें 60 छात्राएं और 63 छात्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस साल प्रदेश में तीन परीक्षार्थी संयुक्त रूप से प्रदेश टॉपर रहे। इनमें समस्तीपुर हाई स्कूल की साक्षी कुमारी, भारतीय इंटर कॉलेज, गहिरी की अंशु कुमारी और हाई स्कूल अगियांव, भोजपुर के रंजन कुमार ने संयुक्त रूप से 489 यानी 97.8 प्रतिशत अंक लाकर संयुक्त रूप से प्रदेश टॉपर बने।

सबसे कम समय में जारी किये परिणाम

परीक्षा परिणाम जारी करते हुए आनंद किशोर ने कहा कि देश में बिहार पहला राज्य है, जो इस इंटरमीडिएट (12वीं) और 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। उन्होंने विभाग और बीएसईबी के अधिकारियों, शिक्षकों की तारीफ करते हुए कहा कि इस साल पिछले वर्षों की तुलना में भी सबसे कम दिनों के अंदर मैट्रिक परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। राज्य में मैट्रिक की परीक्षा 17 से 25 फरवरी के बीच आयोजित की गई थी। यह परीक्षा दो शिफ्टों में संपन्न हुई थी। परीक्षा की शुरुआत भाषा से हुई थी, जिसके बाद अन्य विषयों की परीक्षाएं आयोजित की गईं। उल्लेखनीय है कि कई सालों का क्रम जारी रखते हुए बीएसईबी ने सबसे पहले 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों की घोषणा की है। पिछले साल 2024 में भी मार्च महीने के अंदर ही 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए गए थे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 । **Email**: daily4pm@gmail.com ।
website: www.4pm.co.in । **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।